ईरान और चीन के साथ संबंध

1644. **श्री कनक सिंह मोहन सिंह मंगरोला:** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास ईरान और चीन के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) क्या दोनों देशों के विदेश मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों के मामले पर हाल ही में विचार-विमर्श किया गया था; और

(ग) यदि हां, तो दोनों देशों द्वारा नियत पारस्परिक हित के क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर०एल० भाटिया): (क) सरकार चीन के साथ सुदीर्घ, स्थायी एवं अच्छे पड़ौसी के संबंध स्थापित करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है। सरकार ईरान के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण और सहयोगी संबंध सुदृढ़ करना चाहती है।

(ख) और (ग) **ईरान:** जी हां। विदेशी मंत्री सितम्बर 1995 को न्यूयार्क में ईरान के विदेश मंत्री से मिले। विदेश कार्यालय के स्तर के सम्पर्क भी हुए। आपसी हित के क्षेत्र हैं, आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों का विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा, पर्यटन दूरसंचार के क्षेत्रों में सहयोग और नशीले पदार्थों एवं औषधों के अवैधव्यापार की रोकथाम।

चीन: जी हां। विदेश मंत्री अक्तूबर, 1995 को न्यूयार्क में चीन के विदेश मंत्री से मिले थे। आपसी हित के क्षेत्र है; द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग का विस्तार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में आदान-प्रदान का संवर्द्धन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सीमा के प्रश्न का न्यायसंगत और परस्पर स्वीकार्य समाधान खोजना।

Data relating to Census

1645. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether during the 1991 census, population has been anumerated on the basis of persons belonging to different religious groups;

(b) if so, what is the population of different religious groups in the Country, State-wise and religion-wise;

(c) if not, on what basis the growth rate of population of different religious groups have been released by the census commission; and

(d) whether other data like education, economic and social conditions of different religious groups are also being released, if not what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAM LAL RAHI): (a) Yes, Sir. The religion of each person enumerated at the 1991 census was recorded as returned by each individual.

(b) Necessary information is given in the annexure enclosed.

(c) Does not arise in view of part (b). (*See* Appendix 175, annexure No. 42)

(c) No, Sir. As per the approved tabulation plan for compilation and release of 1991 census data, there is no provision for the compilation and release of education, economic and social conditions data for different religious groups.

Funds for the expansion of National Highway System

1646. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that privatisation is no magic wand and it alone should not be relied upon to solve all the national highway problems in the country; and

(b) if so, what necessary steps Government propose to augment the allocation of funds for the expansion of the national highway system/sector in the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI M. RAJASEKARA MURTHY): (a) and (b) Whereas Government has taken necessary steps to involve private sector participation in development of National Highways, it is also aware of the limitations. Simultaneously, the needs for